भाग - V
हिन्दी

121. जयशंकर प्रसाद की रचना है

(1) परिमल

(2) लहर

(3) वीणा

(4) दीपशिखा

122. कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास ।
कई दिनों तक कानी कुतिया, सोई उनके पास ।।
उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी कविता से उद्धृत हैं ?

(1) नागार्जुन

(2) केदारनाथ अग्रवाल

(3) रघुवीर सहाय

(4) त्रिलोचन

123. अज्ञेय की किस कविता में उपमानों के मैले होने की बात कही गई है ?

(1) हरी घास पर क्षण भर

(2) नदी के द्वीप

(3) कलगी बाजरे की

(4) यह दीप अकेला

124. 'तार सप्तक' में किस कवि की कविताएँ संकलित नहीं हैं ?

(1) नेमिचंद्र जैन

(2) रामविलास शर्मा

(3) प्रभाकर माचवे

(4) रघुवीर सहाय

125. दिनकर की रचना 'रश्मिरथी' किसके चरित्र पर आधारित है ?

(1) कृष्ण (2) अर्जुन

(3) कर्ण (4) युधिष्ठिर

126. इंशा अल्ला खाँ द्वारा रचित 'रानी केतकी की कहानी' का ही दूसरा नाम है –

(1) राजा भोज का सपना

(2) उदयभानचरित

(3) सभाविलास

(4) माधवविलास

127. आधुनिक काल में हिंदी की पहली आलोचना किस विधा पर आधारित है ?

(1) नाटक (2) निबंध

(3) उपन्यास (4) कहानी

cetadda.com

128. निम्नलिखित में से आंचलिक उपन्यास नहीं है :

(1) वरुण के बेटे (2) देहाती दुनिया

(3) नदी के द्वीप (4) बलचनमा

129. 'आधे-अधूरे' नाटक के लेखक हैं

(1) नरेश मेहता (2) मोहन राकेश

(3) धर्मवीर भारती (4) रामकुमार वर्मा

130. 'हरि हारे जीते श्रीदामा, बरबस ही कत करत रिसैयाँ' यहाँ 'रिसैयाँ' का आशय है

(1) पराजित होने की निराशा

(2) पराजित होने पर उत्पन्न खीज

(3) पराजित होने पर रूठने की कोशिश

(4) पराजित होने पर दया की अपेक्षा

131. अभिधा उत्तम काव्य है; मध्य लक्षणा लीन ।

अधम व्यंजना रस बिरस, उलटी कहत नवीन ।।

उपर्युक्त कथन किसका है ?

(1) भिखारीदास (2) केशव

(3) मतिराम (4) देव

132. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'छायावाद' शब्द के प्रयोग को किन दो अर्थों में समझने के लिए कहा है ?

(1) निराशा और रहस्यवाद

(2) लाक्षणिकता और अन्योक्ति

(3) रहस्यवाद और काव्यशैली

(4) काव्यशैली और चित्रभाषा

133. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किसके काव्य पर आलोचना लिखते समय 'भाव-पंचामृत' शब्द का प्रयोग किया है ?

(1) तुलसीदास (2) घनानंद

(3) जायसी (4) सूरदास

134. "प्रजापति की अपनी भूमिका भूलकर कवि दर्पण दिखाने वाला ही रह जाता है" – इस कथन में अपेक्षा की गई है कि वह

(1) समाज को केवल आईना दिखाता रहे ।

(2) किसी राजा की तरह अपने पात्रों से लगाव रखे ।

(3) समाज में जो घटित होता है, उसे हूबहू दिखाए ।

(4) ब्रह्मा की सृष्टि के समानांतर नई सृष्टि रचे ।

ctetadda.com

135. "चाहे कोई दार्शनिक बने, संत बने या साधु बने, अगर वह लोगों को अँधेरे का डर दिखाता है;

तो ज़रूर अपनी कंपनी का टार्च बेचना चाहता है ।" इन पंक्तियों में 'अपनी कंपनी का टार्च बेचना' का आशय है

(1) अज्ञानी को रास्ता दिखाना

(2) जनता को डरपोक बनाना

(3) अपना स्वार्थ पूरा करना

(4) धर्म-गुरुओं द्वारा उत्पाद बनाना

136. "जो पुराना है, अब वह लौटकर आ नहीं सकता ।

लेकिन नए ने पुराने का स्थान नहीं लिया ।" उपर्युक्त का भाव है

(1) जो पुराना है, वह अग्राह्य है ।

(2) जो नया है, वह अग्राह्य है ।

(3) पुराना और नया – दोनों अग्राह्य हैं ।

(4) सभी पुराना अग्राह्य नहीं है ।

137. "कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता" – कथन में कुटज को कहा गया है

(1) स्वच्छंदतावादी (2) अहंकारी

(3) जितेन्द्रिय (4) अनियमित

138. प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' में <u>नहीं</u> है

(1) विषमता के चित्रण का अभाव

(2) भ्रष्टाचार पर व्यंग्य

(3) बाज़ार का चित्रण

(4) विनोद-वृत्ति

139. 'प्यासी पथराई आँखें' नामक काव्यकृति किसकी रचना है ?

(1) नरेन्द्र शर्मा

(2) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(3) नागार्जुन

(4) शमशेर बहादुर सिंह

140. 'अकाल में सारस' काव्यकृति पर केदारनाथ सिंह को कौन से पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?

(1) साहित्य अकादमी

(2) ज्ञानपीठ

(3) मंगला प्रसाद

(4) व्यास सम्मान

ctetadda.com

141. ओमप्रकाश वाल्मीकि द्वारा रचित 'जूठन' किस विधा की कृति है ?

(1) उपन्यास
(2) आत्मकथा
(3) कहानी
(4) संस्मरण

142. 'टिकटघर' का सही शब्द-भेद है

(1) तत्सम
(2) तद्भव
(3) विदेशी
(4) संकर

143. 'सूर्य' का समानार्थी शब्द नहीं है

(1) आदित्य
(2) दिनेश
(3) अरुण
(4) मयंक

144. निम्नलिखित में से अविकारी शब्द होते हैं :

(1) संज्ञा शब्द
(2) विशेषण शब्द
(3) क्रिया शब्द
(4) क्रियाविशेषण शब्द

145. 'कुसुमकोमल' समस्त पद का सही विग्रह है

(1) कोमल कुसुम
(2) कुसुम के लिए कोमल
(3) कुसुम के समान कोमल
(4) कोमल मानो कुसुम

146. निम्नलिखित में से विशेषण शब्द है :

(1) चतुरता
(2) चातुर्य
(3) चतुर
(4) चातुरी

147. "निरंतर बहता हुआ जल स्वच्छ होता है" – वाक्य में 'संज्ञा पदबंध' है

(1) जल
(2) बहता हुआ जल
(3) स्वच्छ होता है ।
(4) निरंतर बहता हुआ जल

148. किस कथन में 'अच्छा' पद संज्ञा-रूप में आया है ?

(1) वह अच्छा लड़का है ।
(2) वह लड़का अच्छा है ।
(3) अच्छों का साथ अच्छा है ।
(4) अच्छे बनो ।

ctetadda.com

149. मैं अपना काम स्वयं करती हूँ ।

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित पद के परिचय का सही विकल्प है –

(1) संज्ञा – जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

(2) संज्ञा – भाववाचक, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

(3) विशेषण – गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिग, मैं विशेष्य

(4) संज्ञा – भाववाचक, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

150. "वह बाज़ार गया क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं ।"

उपर्युक्त वाक्य है –

(1) सरल

(2) जटिल

(3) संयुक्त

(4) मिश्रित

151. "शायद वह आज आए" – अर्थ के आधार पर यह वाक्य है –

(1) विधानवाचक

(2) इच्छार्थक

(3) संदेहार्थक

(4) आज्ञार्थक

152. "जो गरीब हैं, उनकी कोई नहीं सुनता" – वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा –

(1) उनकी कोई नहीं सुनता, क्योंकि वे गरीब हैं ।

(2) कौन गरीब की बात सुनता है !

(3) गरीबों की बात सुनो !

(4) गरीबों की कोई नहीं सुनता ।

153. निम्नलिखित में से संस्कृत प्रत्यय है

(1) ऐत

(2) आर

(3) कार

(4) एरा

154. 'प्रत्यागमन' शब्द का संधि-विच्छेद है

(1) प्रत्य + आगमन

(2) प्रति + गमन

(3) प्रति + आगमन

(4) प्रत्या + गमन

ctetadda.com

155. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें ई + इ स्वरों का मेल है ?

(1) कवीन्द्र

(2) रविन्द्र

(3) महीन्द्र

(4) अतीव

156. निम्नलिखित में किस शब्द में 'अन्' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ ?

(1) अनंत

(2) अनंग

(3) अनाम

(4) अनुपम

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (प्रश्न सं. 157 से 161) के उत्तर दीजिए :

आज हम भौतिक वस्तुओं में मैचिंग ढूँढ़ते हैं । मेल खाते कपड़े और दीवारों के रंग से मिलते परदे – यह सब इसलिए कि जीवन एक अंतहीन दौड़ में पड़कर बेमेल हो गया है, अंदर के रंग फीके हो गए हैं । जीवन से उत्सवधर्मिता विलुप्त हो गई है । आज सारा संघर्ष भीतर और बाहर में सामंजस्य बिठाने का है । अगर यह संभव हो गया तो हर दिन दीपावली है । दीपपर्व हमें इसे संभव करने का रास्ता बताता है । घरों, कार्यालयों को ही साफ़ नहीं करना, मन के उन कोने-अंतरों को भी स्वच्छ करना है, जो बेकार की चीज़ों से भर गए हैं । व्यर्थ की अभिलाषाएँ वहाँ भरी पड़ी हैं, उन्हें उठाकर बाहर फेंकना है । अपने लिए नए संकल्प करने हैं और उन्हें पूरा करने के लिए जुट जाना है । जो इच्छाएँ पूरी नहीं हो सकीं, उनकी जगह नए सपने देखने हैं । उन सपनों को कर्म से अर्थ देना है । कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरता है । वह अंतहीन है । जब व्यक्ति में यह संकल्प जागता है तो क्रांति घटित हो जाती है । मन में रंग फूट पड़ते हैं । ये ऐसे रंग हैं जो उजले हैं । उन अँधेरे कोनों में भी दीपक जलाना है, जहाँ सदियों पुरानी अप्रसन्नता का अँधेरा पसरा है; एक छोटा सा दीया उसे हटाने में समर्थ है । सत्य को कितना ही अकेला कर दिया जाए आखिरकार विजय सत्य की ही होती है । असत्य का अँधेरा क्षणभर का ही होता है । यही कारण है कि असत्य सत्य के सामने थरथराता है । उसकी गर्जना निर्णायक क्षणों में गिड़गिड़ाहट में बदल जाती है । असत्य अंततः नष्ट हो जाता है । अंतर में पैठ गए अज्ञानता और भय के दशानन को भी बार-बार जलाना होता है । जलना और राख होना उसकी नियति है, इसलिए डर कैसा ?

157. 'जीवन एक अंतहीन दौड़ में पड़कर बेमेल हो गया है ।' में 'बेमेल' का आशय है

(1) भौतिकतावादी

(2) अकेला

(3) सामंजस्य रहित

(4) फीका

158. 'संकल्प जागता है तो क्रांति घटित हो जाती है ।' यहाँ 'क्रांति' से क्या तात्पर्य है ?

(1) युगांत

(2) विद्रोह

(3) परिवर्तन

(4) विध्वंस

159. 'रंग फूट पड़ना' का अर्थ है

(1) रंगों का उद्‌गम

(2) रंगों का बहना

(3) उत्साह छाना

(4) चंचल होना

160. 'दशानन' शब्द में समास है

(1) द्वंद्व

(2) तत्पुरुष

(3) बहुव्रीहि

(4) अव्ययीभाव

161. 'नियति' का पर्याय है

(1) परिणाम (2) अंत

(3) भाग्य (4) तर्क

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (162-166) के उत्तर दीजिए :

मौन को उत्सव बनाओ
दर्द को जीना सिखाओ
अब किसी भी
जंग से डरती नहीं है ज़िंदगी ।
आँधियों से जो लड़ा है
वही तो हिमगिरि बना है
धूप में जो भी तपा है
गुलमुहर सा वह खिला है ।
दर्द को दर्पण बनाओ
धैर्य को जीना सिखाओ
अब किसी भी
घुटन में घुटती नहीं है ज़िंदगी
ज़िंदगी जो हल चलाती
वही तो मधुमास लाती
मरुथलों की गली में भी
तृप्ति के है गीत गाती ।
स्वेद की जब नदी गाती
प्यार की फसलें उगाती
एक मुट्ठी धान से भी
झोंपड़ी है गुनगुनाती ।
हाथ को हथियार कर लो
पाँव को रफ्तार कर लो
अब किसी भी
ज़ुल्म से झुकती नहीं है ज़िंदगी ।

ctetadda.com

162. 'मौन को उत्सव' कैसे बनाया जा सकता है ?

(1) मौन को तोड़कर

(2) संवाद रूप देकर

(3) प्रसन्नता में बदलकर

(4) संघर्ष करके

163. धूप में तपने वाले गुलमुहर की तरह खिलते हैं, क्योंकि –

(1) प्रत्येक के जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियाँ आवश्यक हैं ।

(2) संघर्ष की उपलब्धि जीवन-सौंदर्य के रूप में होती है ।

(3) फूल भी धूप से ही रंग ग्रहण करता है ।

(4) गुलमुहर सदैव मनुष्य को संदेश देता रहता है ।

164. 'दर्द को दर्पण बनाओ' का प्रयोग किस आशय के लिए कहा गया है ?

(1) दुख के समय में दर्पण की तरह टूट जाने के लिए

(2) दुख के समय में पूरी तरह उदासीन रहने के लिए

(3) दुखों को स्वीकार करके उनसे अविचलित रहने के लिए

(4) दुख ही जीवन का दर्पण है, अत: उन्हें अपनाने के लिए

165. 'ज़िंदगी जो हल चलाती' में है

(1) लक्षणा

(2) उपमा

(3) श्लेष

(4) विरोधाभास

166. 'पाँव को रफ़्तार कर लो' का आशय है

(1) गतिशीलता

(2) प्रसन्नता

(3) झुक जाना

(4) भाग जाना

167. लैके सुघरु खुरपिया पिय के साथ ।
छइबै एक छतरिया बरखत पाथ ।।
उपर्युक्त पंक्तियों में रस है

(1) करुण

(2) अद्‌भुत

(3) हास्य

(4) शृंगार

168. गद्‌दी का वारिस लौटा था
राम कहाँ लौटे थे वन से ।
उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त शब्द-शक्ति है

(1) अभिधा

(2) लक्षणा

(3) आर्थी लक्षणा

(4) व्यंजना

ctetadda.com

169. सूरज की पहली किरण

जीवन-ज्योति जगाती सी

शैल शिखरों के गले में

अद्भुत स्वर्णहार पहनाती सी

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा गुण समाहित है ?

(1) प्रसाद

(2) माधुर्य

(3) ओज

(4) समाधि

170. यादों के बिंब ये सुनहरे हैं, शिखरों पर केतु सदृश फहरे हैं ।

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?

(1) रूपक

(2) उपमा

(3) उत्प्रेक्षा

(4) श्लेष

171. नवरस में शामिल रस नहीं है

(1) हास्य

(2) अद्भुत

(3) वात्सल्य

(4) भयानक

172. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' – यह कथन है

(1) आनंदवर्धन का

(2) उद्भट का

(3) मम्मट का

(4) विश्वनाथ का

173. चौपाई छंद की विशेषताएँ हैं :

(a) दोनों चरणों में 16-16 मात्राएँ

(b) पहले और दूसरे चरण में 15-16 मात्राएँ

(c) अंतिम चरण में एक गुरु वर्ण

(d) चरण के अंत में दो गुरु वर्ण

उपर्युक्त में से सही कथन हैं –

(1) (a), (b)

(2) (a), (d)

(3) (a), (c)

(4) (c), (d)

ctetadda.com

174. 'आवाँ' उपन्यास की लेखिका हैं

(1) मैत्रेयी पुष्पा

(2) ममता कालिया

(3) चित्रा मुद्‌गल

(4) मृदुला गर्ग

175. पिस गया वह भीतरी

औ' बाहरी दो कठिन पाटों बीच,

ऐसी ट्रेजिडी है नीच !!

उपर्युक्त पंक्तियाँ मुक्तिबोध की किस कविता से ली गई हैं ?

(1) अँधेरे में

(2) चाँद का मुँह टेढ़ा है

(3) ब्रह्मराक्षस

(4) भूल ग़लती

176. प्रसिद्ध 'पुरुषार्थों' में शामिल नहीं है –

(1) सत्य

(2) अर्थ

(3) धर्म

(4) मोक्ष

177. संचार माध्यमों के विकास के पीछे कौन सा कारण प्रमुख है ?

(1) औद्योगीकरण

(2) शिक्षा का विस्तार

(3) आधुनिक उपकरण

(4) मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति

178. 'समाचार' नहीं है

(1) किसी नई घटना की सूचना

(2) किसी घटना की नई सूचना

(3) किसी घटना की असाधारणता की सूचना

(4) किसी साधारण घटना की सादगी से सूचना

179. विज्ञापन-लेखन की भाषा <u>नहीं</u> होती –

(1) सांकेतिक

(2) रोचक

(3) अलंकाररहित

(4) संप्रेषणीय

ctetadda.com

180. 'प्रयोजनमूलक' भाषा की विशेषता नहीं है

(1) वैज्ञानिकता

(2) वाच्यार्थ प्रधानता

(3) अनेकार्थता

(4) अनुप्रयुक्तता

181. समाचारों में चित्रों का प्रयोग क्यों किया जाता है ?

(1) मनोरंजन के लिए

(2) विश्वसनीयता के लिए

(3) आकर्षक बनाने के लिए

(4) लोकप्रियता के लिए

182. डॉ. रामविलास शर्मा की पुस्तक नहीं है

(1) क्रांतिकारी कवि 'निराला'

(2) प्रेमचंद और उनका युग

(3) भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास

(4) भाषा और समाज

183. सूरदास रचित 'भ्रमर गीत' माना जाता है

(1) उपालंभ – काव्य

(2) व्यंग्य – काव्य

(3) वक्रोक्तिपूर्ण काव्य

(4) अतिशयोक्तिपूर्ण काव्य

184. 'श्रव्य' जनसंचार माध्यम है :

(1) भाषण

(2) रेडियो

(3) नुक्कड़ नाटक

(4) कवि-सम्मेलन

185. निम्नलिखित में से काव्य-दोष नहीं है

(1) दुष्क्रमत्व

(2) क्लिष्टत्व

(3) श्लिष्टत्व

(4) न्यूनपदत्व

186. किस विकल्प में दी गई सभी कहानियाँ एक ही रचनाकार की हैं ?

(1) वांगचू, चीफ़ की दावत, अमृतसर आ गया है

(2) बहिर्गमन, हत्यारे, चीफ़ की दावत

(3) हत्यारे, डिप्टी कलक्टरी, अमृतसर आ गया है

(4) हलवाहा, दोपहर का भोजन, ज़िंदगी और जोंक

ctetadda.com

187. किस विद्वान ने आदिकाल को 'सिद्ध-सामंतकाल' कहा ?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) रामकुमार वर्मा

(3) राहुल सांकृत्यायन

(4) रामचंद्र शुक्ल

188. 'पृथ्वीराज रासो' में प्रमुख रस हैं

(1) नीति और शृंगार

(2) शृंगार और शांत

(3) करुण और वीर

(4) वीर और शृंगार

189. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'विद्यापति पदावली' का मुख्य कथ्य है

(1) भक्ति

(2) शृंगारिकता

(3) नारी-व्यथा

(4) आध्यात्मिकता

190. 'गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डारे केस ।

चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुँ देस ।।'

अमीर खुसरो द्वारा उपर्युक्त पंक्तियाँ किसके देहवसान पर कही गईं ?

(1) कुतुबद्दीन मुबारकशाह

(2) हज़रत निजामुद्दीन औलिया

(3) गयासुद्दीन बलबन

(4) हज़रत मुईनुद्दीन चिश्ती

191. रामानंद के शिष्य नहीं माने जाते

(1) कबीर (2) रैदास

(3) नरहरि (4) दादू दयाल

192. 'रासपंचाध्यायी' के रचनाकार हैं

(1) गंग (2) रहीम

(3) रसखान (4) नंददास

193. विशुद्ध अवधी में रचित ग्रंथ है

(1) रामचरितमानस (2) पद्मावत

(3) रसमंजरी (4) रामचंद्रिक

ctetadda.com

194. सामाजिक रूढ़ियों के प्रति सर्वाधिक आक्रामक स्वर है

(1) कबीरदास का (2) धर्मदास का
(3) गुरुनानक का (4) रैदास का

195. रीतिकालीन कविता में 'रीति' पर अधिक बल दिए जाने का प्रमुख कारण है

(1) फ़ारसी का प्रभाव
(2) आश्रयदाताओं की रुचि
(3) संस्कृत भाषा का ज्ञान
(4) कवियों का आचार्य होना

196. 'अति सूधो सनेह को मारग है,
जहँ नैकु सयानप बाँक नहीं ।'
उपर्युक्त पंक्ति किसके द्वारा रचित है ?

(1) बिहारी (2) मतिराम
(3) घनानंद (4) देव

197. 'अमिय, हलाहल, मदभरे, सेत, स्याम रतनार' – पंक्ति किस कवि के दोहे की है ?

(1) बिहारी (2) रसलीन
(3) केशव (4) बोधा

198. बिहारी रीतिबद्ध कवियों से भिन्न क्यों माने जाते हैं ?

(1) उन्हें काव्य की रीतियों का ज्ञान नहीं था ।
(2) वे राधा-कृष्ण का नायक-नायिका के रूप में चित्रण नहीं करते ।
(3) उनके काव्य में स्वानुभूत प्रेम का वर्णन अधिक है ।
(4) वे लक्षण-उदाहरण की पद्धति का पालन नहीं करते ।

199. निम्नलिखित रचनाकारों में से राष्ट्रीयता को स्वर देने वाले पहले रचनाकार हैं :

(1) मैथिलीशरण गुप्त
(2) भारतेंदु हरिश्चंद्र
(3) माखनलाल चतुर्वेदी
(4) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

200. किस विधा में विषय से व्यक्तिगत संपर्क अनिवार्य नहीं है ?

(1) रिपोर्ताज
(2) संस्मरण
(3) जीवनी
(4) यात्रा-वृत्तांत

ctetadda.com